

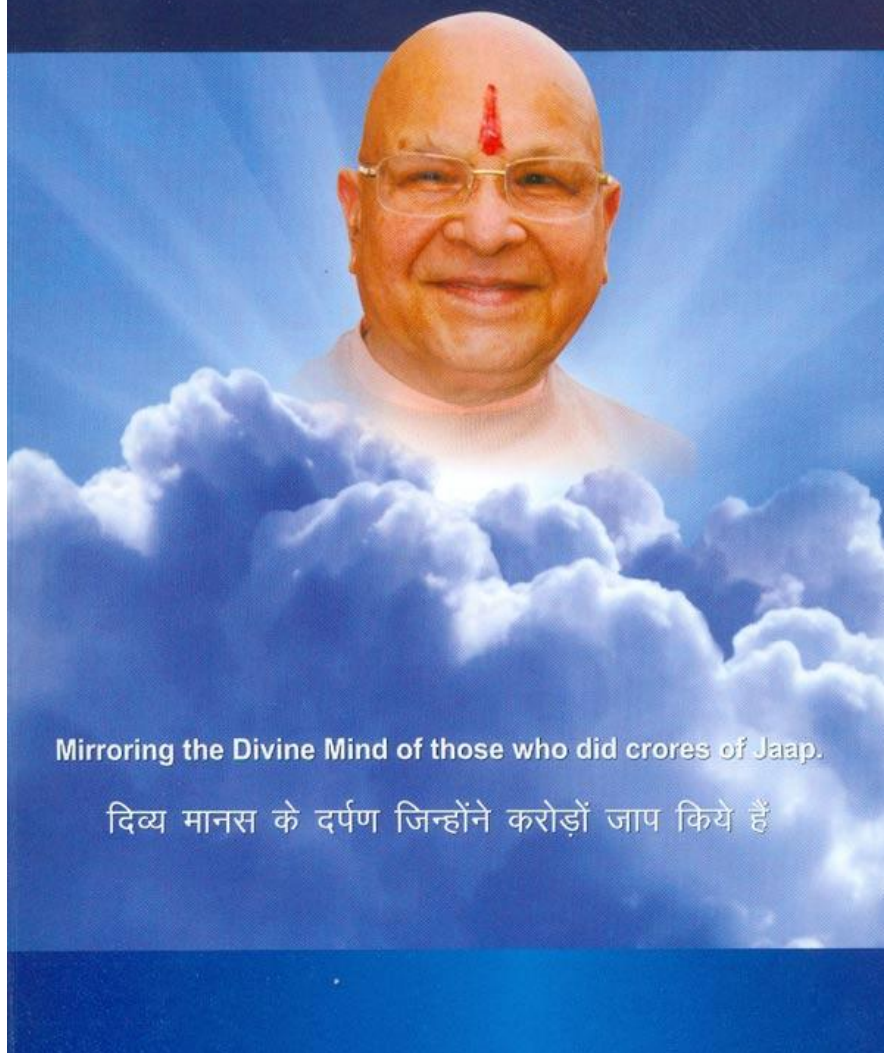
Miraculous Ram - Miraculous Jhabua

Aloukik Ram - Aloukik Jhabua

Mirroring the Divine Mind of Those who did crores of Jaap

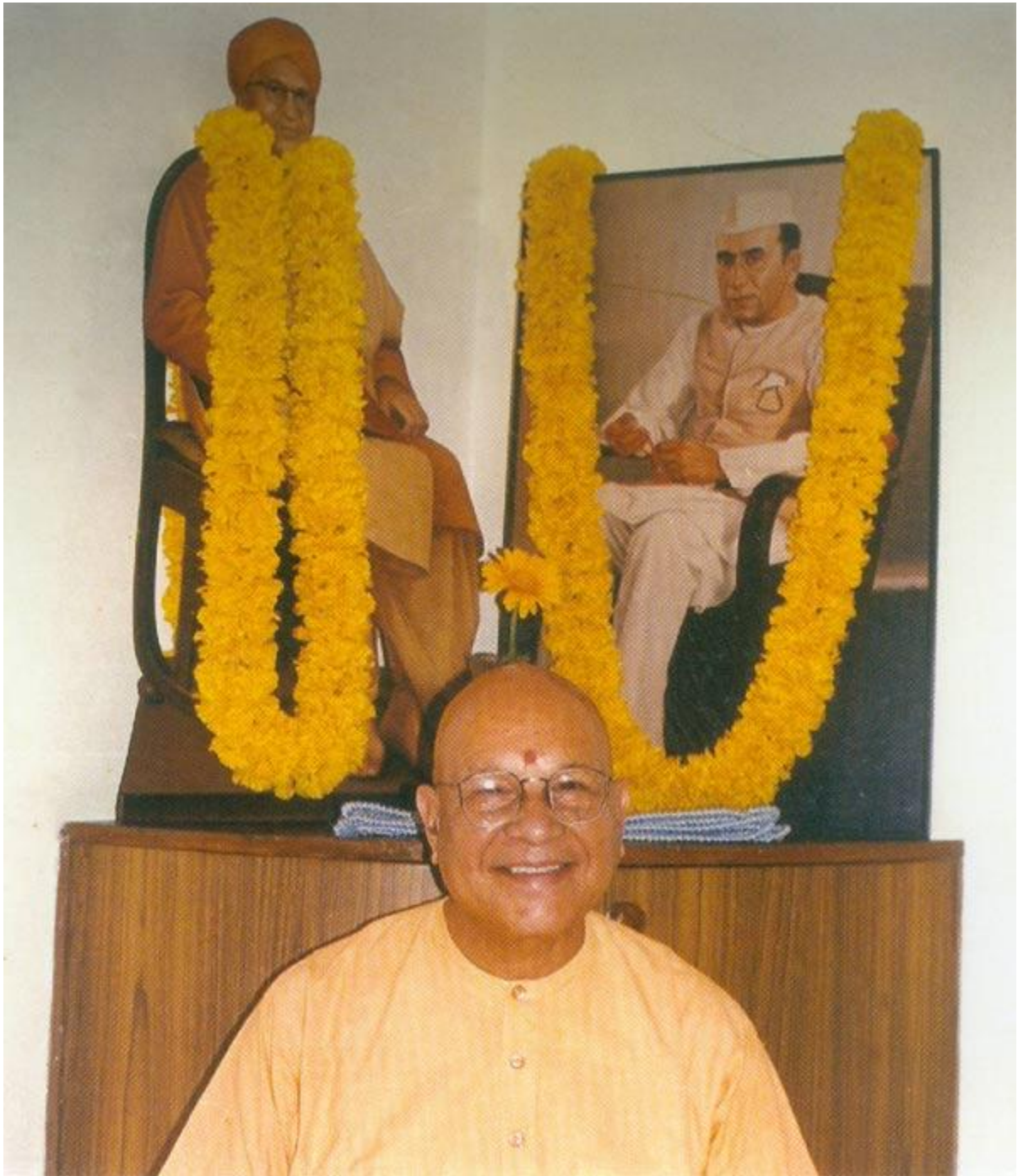
Miraculous Ram Miraculous Jhabua

अलौकिक राम अलौकिक झाबुआ



Mirroring the Divine Mind of those who did crores of Jaap.

दिव्य मानस के दर्पण जिन्होंने करोड़ों जाप किये हैं



अलौकिक राम अलौकिक झाबुआ
दिव्य मानस के दर्पण जिन्होंने करोड़ों जाप किए हैं

MIRACULOUS RAM. MIRACULOUS JHABUA
Mirroring the Divine Mind of those who did
crores of Jaap.

Dr. Gautam Chatterjee

Translated
by
Sh Lokendra Singh Shaktawat

All rights reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the author.

1st Edition 15 April 2014 (Chetrapurnima)

15,000 Copies

Price: Rs. 60

Available at :
Shree Ram Sharnam, 8A, Ring Road,
Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024

Content

Prologue

Chapters	Page
1. Alaukik Ram Alaukik Jhabua—The Concept	1
2. Kashi of <i>Ram Naam</i> — Jhabua	8
3. <i>Guru Tattwa</i> — In Search of Subtle Eternity	13
4. Spiritual <i>Manas</i> — Preparing the Mind	20
5. Divine Revelation and Divine Connect—	27
Jhabua region has become a Sacred Space.	

*Anubhutan - Mirroring the Divine Mind of those who did
crores of Jaap.*

1. अलौकिक राम अलौकिक झाबुआ	38
2. झाबुआ— राम नाम की काशी—तीर्थ यात्रा	46
3. गुरु तत्त्व — रहस्यमय पारलौकिक जीवन की खोज में	52
4. ज्ञान की सीमा को उच्च पैमाने तक पहुंचाने के लिये मस्तिष्क की तैयारी	61
5. दैवीय प्रकटन एवं ईश्वरीय संबंध	69

अनुभूतियाँ—दिव्य मानस के दर्पण जिन्होंने करोड़ों जाप किए हैं

1. सद्गुरु मेरे सर्वाधार हैं	85
2. सिर पर वरदहस्त का अहसास	86
3. हाथों में आरती की थाली लिए	87
4. हमें सीधे परमसत्ता से जोड़ दिया	88
5. जीवन जीने का आनन्द आ रहा है	88
6. गुंगा गुड़ का स्वाद कैसे बताए	89
7. श्रीअधिष्ठानजी में से दिव्य प्रकाश	90
8. राम नाम जपने का चमत्कार	91
9. सूक्ष्म में रहकर प्रत्यक्ष सहायता	92
10. सद्गुरु ने जीवन जीना सिखा दिया	93
11. स्वप्नावस्था में महाराजजी	94
12. आन्तरिक उन्नति, सकारात्मक परिवर्तन	94
13. सद्गुरु कृपा अनन्ता	95
14. साधना और सेवा	96
15. मौन साधना— सकारात्मक परिवर्तन	97
16. तू क्यों चिन्ता करती है, मैं हूँ न तुम्हारे साथ”	97
17. महामंत्र, तारक मंत्र राम	98
18. सद्गुरु सो ही ठाकुर	99
19. भक्ति क्या—क्या देती है	99
20. ‘रामाक्षर’ में दिव्य प्रकाश	100
21. ‘राम तेरे साथ है’	101
22. निशा—निराशा की समाप्ति	101
23. श्रीरामशरणम् एक आईना है	102
24. राम शब्द मधुरतम	103

25. वो हैं तो सब कुछ है	103
26. सद्गुरु ने भरोसा दान में बक्शा	104
27. मानसिक जाप का अभ्यास	105
28. "दिव्य लोक का प्रसाद"	107
29. मानस जाप	107
30. धरती का भाग्यशाली इंसान	108
31. सद्गुरु हमारे अंग-संग	109
32. अधिष्ठानजी में महाराजजी के दर्शन	109
33. आत्मविश्वास प्रबल	110
34. "परमकृपा स्वरूप है"	110
35. सद्गुरु कृपा वर्णनातीत	111
36. सद्गुरु का आसरा	112
37. सुसंग मिल गया	112
38. आन्तरिक समृद्धि	113
39. उनका संग जन्म-जन्मान्तर	114
40. सद्गुरु तारणहार	114
41. त्रिकुटी में मानस जाप	115
42. ध्यान में टिकाव	116
43. अनन्य भक्ति मिल गयी	117
44. सद्गुरुजन आज भी मौजूद हैं	118
45. जीवन जीने का असली मज़ा	118
46. साथ कभी न छोड़ें	119
47. गज़ब की सकारात्मकता	119
48. गुरुजन अंग-संग हैं	120
49. हमारे बहुत ही समीप हैं	120
50. सद्गुरु मार्गदर्शक	121

Published by Shree Swami Satyanand Dharmarth Trust, New Delhi, Released on 15th April 2014

Cost of the Book: Rs. 60.00

available at:

Shree Ram Sharnam,

8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,

New Delhi - 110 024, (INDIA)

for more details email

to: shreeramsharnam@hotmail.com

प्राप्ति स्थान :

श्रीरामशरणम्, ए. रिंग रोड, लाजपत नगर - ४

नई दिल्ली - ११००२४